मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

(ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)

केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर- 342003

दिनांकः 04 फरवरी 2020

जोधपुर

जिले के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र,
जयपुर से प्राप्त मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

मौसमी तत्व / दिनांक	05/02/20	06/02/20	07/02/20	08/02/20	09/02/20
वर्षा (मि.मी.)	0	0	0	0	0
अधिकतम तापमान (°सेल्सियस)	27	26	25	26	26
न्यूनतम तापमान (°सेल्सियस)	11	10	11	10	10
बादलों की स्थिति (ओक्टा)	0	0	0	0	0
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) सुबह	43	45	36	30	39
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) शाम	20	21	17	16	15
हवा की गति (कि.मी/घंटा)	15	9	11	12	13
हवा की दिशा	उत्तर–उत्तर–पूर्व	उत्तर–उत्तर–पूर्व	दक्षिण–पूर्व	उत्तर–पूर्व	पूर्व–उत्तर–पूर्व

मौसम पूर्वानुमान के आधार पर कृषि परामर्श सेवा, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा इस जिले के किसानों को सलाहः

फसल	अवस्था	सलाह
गेहूं		गेहूं की फसल में दाने की दूधिया अवस्था पर बुवाई के 95 दिन बाद सिंचाई अवश्य करें।
जीरा		जीरे की फसल में बीज निर्माण की अवस्था पर हल्की सिंचाई करें।
प्याज		प्याज की फसल में थ्रिप्स कीट के नियंत्रण के लिए मैलाथियान 50 ई.सी. एक मिलीलीटर प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिडकाव करें।
सरसों		सरसों की फसल में दाना भरने की अवस्था पर सिंचाई करें।
ग्रीष्मकालीन भिण्डी		ग्रीष्मकालीन भिण्डी की फसल के लिए खेत तैयार करे जुताई करते समय खेत में देशी खाद 25 टन प्रति हैक्टेयर की दर से डालें।
पशु		इस समय में पशुओं में गलघोंटू (H.S.) व ठप्पा रोग (B.Q.) के फैलने की संभावना अत्यधिक रहती है। अगर पशुओ को यह टीके नहीं लगाये है तो टीके अवश्य लगवाएं।

(नौडल ऑफीसर)